भारतीय समाज में ज्योतिष का स्वरूप

अतः भारतीय समाज में ज्योतिष केवल एक परंपरागत विद्या नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और सार्थकता का ज्ञान है. यह व्यक्ति, समाज और ब्रह्मांड के बीच सामंजस्य की वह कड़ी है जो भारतीय संस्कृति की जड़ में निहित है. जब तक मनुष्य समय, दिशा और कर्म के संबंध को जानने की जिज्ञासा रखेगा, तब तक ज्योतिष उसकी चेतना का दीपक बना रहेगा. यह वह शास्त्र है जो अंधकार में प्रकाश देता है, भ्रम में दिशा देता है और जीवन में अर्थ का बोध कराता है. यही इसकी शाश्वतता का प्रमाण है कि सहस्राब्दियों बाद भी, आधुनिक युग की तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के बीच भी, ज्योतिष अब भी भारत की आत्मा में धड़कता है — काल का साक्षी और जीवन का मार्गदर्शक बनकर.

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

भारतीय संस्कृति की अनादि परंपरा में ज्योतिष को सदैव ज्ञान, आस्था और अनुभव का सम्मिलित रूप माना गया है. यह वह शास्त्र है जो मनुष्य को उसके अस्तित्व के ब्रह्मांडीय संदर्भ से परिचित कराता है. भारतीय चिंतन में यह विश्वास गहराई से निहित है कि यह सृष्टि केवल पदार्थों का समूह नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतन सत्ता है, और मनुष्य उस ब्रह्मांडीय चेतना का सूक्ष्म प्रतिबिंब है. अतः आकाश में घटने वाली प्रत्येक गति, प्रत्येक ग्रह-नक्षत्र का परिवर्तन, मानव जीवन की घटनाओं और अनुभवों से गहनता से जुड़ा होता है. इसी पारस्परिक सामंजस्य की खोज ही ज्योतिष का सार है. यह विज्ञान नहीं, बल्कि विज्ञान और दर्शन का एक सेतु है—जहाँ गणना के साथ अंत:प्रेरणा, और तर्क के साथ श्रद्धा का संतुलन स्थापित होता है. यही कारण है कि भारत में ज्योतिष केवल विद्या नहीं, बल्कि जीवन का अविभाज्य अंग बन गया.

वेदों में ज्योतिष को 'नेत्र' कहा गया है—ज्योतिषं चक्षु:. इसका अर्थ है कि ज्योतिष वह दृष्टि है जो काल का बोध कराती है. काल का ज्ञान ही धर्म का ज्ञान है, क्योंकि प्रत्येक कार्य तब ही फलदायी होता है जब वह काल की अनुकूलता में किया जाए. इसीलिए भारतीय समाज में प्रत्येक शुभ कार्य—चाहे वह विवाह हो या गृहप्रवेश, शिक्षा आरंभ हो या व्यापार, यात्रा हो या यज्ञ—सभी में शुभ मुहूर्त का विचार किया जाता है. मुहूर्त का निर्धारण केवल परंपरा नहीं, बल्कि काल की गति के साथ कर्म का समन्वय है. भारतीय जीवन-दर्शन यह सिखाता है कि ब्रह्मांड में ऊर्जा का प्रवाह निरंतर चक्रों में होता है, और जो व्यक्ति इस प्रवाह को समझ लेता है, वही जीवन में सफलता और संतुलन प्राप्त करता है. यही कारण है कि मुहूर्त शास्त्र को ज्योतिष का हृदय कहा गया है.

भारतीय समाज में जन्मकुंडली का महत्व भी इसी दृष्टि से अत्यंत विशिष्ट है. यह केवल भविष्य का अनुमान नहीं, बल्कि उस क्षण की ब्रह्मांडीय संरचना का मानचित्र है, जब व्यक्ति ने जन्म लिया. जन्म के समय ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति उस आत्मा की चेतन ऊर्जा के संकेत देती है. इस कुंडली के माध्यम से व्यक्ति के स्वभाव, प्रवृत्ति, प्रतिभा, अवसर और चुनौतियों का ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है. भारतीय ज्योतिष में सूर्य आत्मा का, चंद्र मन का, बुध बुद्धि का, गुरु ज्ञान का, शुक्र भावनाओं का, मंगल पराक्रम का, और शनि कर्मफल का प्रतीक माना गया है. इन ग्रहों के पारस्परिक संबंध व्यक्ति के जीवन में घटित होने वाली घटनाओं की लय निर्धारित करते हैं. इस प्रकार ज्योतिष व्यक्ति को उसके आंतरिक स्वरूप का दर्पण दिखाता है, जिससे वह अपने कर्मों का चयन विवेकपूर्ण ढंग से कर सके.

भारतीय समाज की संरचना में ज्योतिष का प्रभाव केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामूहिक भी है. विवाह संस्था में गुणमिलान की परंपरा इसका सबसे सशक्त उदाहरण है. यह प्रक्रिया केवल भविष्य की भविष्यवाणी नहीं करती, बल्कि यह सुनिश्चित करती है कि दो व्यक्तियों का मिलन मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्तर पर सामंजस्यपूर्ण हो. यह सांस्कृतिक व्यवस्था सामाजिक स्थिरता का माध्यम बनी. इसी प्रकार ग्रहदोष निवारण की परंपरा, नवग्रह पूजन, रत्न धारण, मंत्रजाप और यज्ञ यह संकेत देते हैं कि ज्योतिष कर्म के संशोधन का विज्ञान है. यह किसी नियति का बंधन नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है कि उचित कर्म, साधना और श्रद्धा के माध्यम से मनुष्य अपनी दिशा बदल सकता है. इसीलिए भारतीय ज्योतिष में उपायों का बड़ा स्थान है. उपाय न केवल कर्मफल के शमन के लिए हैं, बल्कि वे आत्म-संयम, सेवा, दान और प्रार्थना जैसे सद्गुणों को विकसित करने के साधन हैं. धार्मिक जीवन में ज्योतिष की भूमिका अतुलनीय है. पंचांग, जो तिथि, नक्षत्र, योग, करण और वार के समन्वय पर आधारित है, प्रत्येक धार्मिक कार्य, पर्व और संस्कार के लिए उपयुक्त समय का निर्धारण करता है. भारतीय त्योहारों की तिथियाँ—दीपावली की अमावस्या, मकर संक्रांति का सूर्य का मकर राशि में प्रवेश, नवरात्रि का ऋतु-परिवर्तन, होली का पूर्णिमा योग—सभी ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति पर आधारित हैं. इस प्रकार, भारतीय समाज में काल की गति और आध्यात्मिक जीवन का अद्वितीय सामंजस्य दिखाई देता है. समय यहाँ केवल गणना का विषय नहीं, बल्कि धर्म का तत्व है.

राजनीतिक और सामाजिक इतिहास में भी ज्योतिष का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है. प्राचीन काल में राजाओं के दरबारों में ज्योतिषाचार्य राज्य के निर्णयों, युद्ध की तिथियों, यात्राओं और नीतियों का शुभाशुभ निर्णय करते थे. यह परंपरा केवल शासन का उपकरण नहीं थी, बल्कि यह यह धारणा भी थी कि ब्रह्मांड की शक्तियाँ यदि अनुकूल हों, तो प्रयास अधिक सफल होंगे. ग्रामीण भारत में आज भी कृषि कार्य पंचांग के अनुसार संपन्न किए जाते हैं. बीज बोने, फसल काटने और वर्षा की संभावना जानने के लिए किसान आकाशीय संकेतों का अध्ययन करते हैं. यह अनुभवजन्य परंपरा यह दर्शाती है कि ज्योतिष केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि व्यावहारिक जीवन का मार्गदर्शन भी करता है.

आधुनिक युग में विज्ञान और तर्क के प्रसार के बावजूद ज्योतिष की प्रासंगिकता समाप्त नहीं हुई. इसका कारण यह है कि ज्योतिष केवल यांत्रिक गणनाओं पर आधारित नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक अर्थों पर आधारित विज्ञान है. यह symbolic causality के सिद्धांत पर कार्य करता है—ग्रह घटनाओं का कारण नहीं, बल्कि संकेत हैं. इस दृष्टि से ज्योतिष को केवल अनुभवजन्य विज्ञान के मापदंडों पर नहीं, बल्कि मानव विज्ञान के रूप में देखा जाना चाहिए. यह व्यक्ति के मनोविज्ञान, व्यवहार और जीवन-दर्शन को समझने का उपकरण है. डिजिटल युग में ज्योतिष ने नए स्वरूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है. मोबाइल एप्लिकेशन, ऑनलाइन परामर्श और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस विद्या को नए आयाम दिए हैं. अब यह केवल ज्योतिषाचार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि सामान्य जन तक सुलभ हो गई है. किंतु इस प्रसार के साथ नैतिकता का पालन भी उतना ही आवश्यक है. एक सच्चा ज्योतिषी वह है जो भय नहीं उत्पन्न करता, बल्कि दिशा देता है; जो भाग्य की नहीं, कर्म की शक्ति पर विश्वास करता है; और जो व्यक्ति को आत्म-ज्ञान की ओर प्रेरित करता है.

एक रसायन जो बदल सकता है आपकी किस्मत दोष

फिटकरी के चमत्कार

आमतौर पर फिटकरी (पोटेशियम एल्युमिनियम सल्फेट) को एक एंटीसेप्टिक और जल शोधक रसायन के रूप में जाना जाता है, जो शेविंग के बाद या चोट लगने पर इस्तेमाल होता है. हालाँकि, तंत्र शास्त्र और ज्योतिष विज्ञान में फिटकरी के कुछ ऐसे अचूक उपाय बताए गए हैं, जो आपके जीवन में करियर, धन, स्वास्थ्य और पारिवारिक समस्याओं को दूर कर सकते हैं. फिटकरी को नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने और आसपास सकारात्मकता बनाए रखने की शक्ति का भंडार माना जाता है.

कारोबार और धन वृद्धि के लिए फिटकरी के टोटके

दुकान या व्यापारिक स्थल के लिए बरकत का उपाय- यदि दुकान, व्यापारिक स्थल या किसी प्रतिष्ठान में बार-बार कोई समस्या आ रही है या कारोबार में मनचाही वृद्धि नहीं हो रही है, तो इस उपाय को आज़माएँ. एक काले कपड़े में फिटकरी का एक टुकड़ा बाँध लें और उसे प्रतिष्ठान के मेन गेट पर टाँग दें. माना जाता है कि ऐसा करने से कार्यस्थल की नकारात्मकता धीरे-धीरे समाप्त होती है और कारोबार में बरकत होने लगती है.

2. कर्ज मुक्ति और धन स्थिरता- कर्ज की समस्या से परेशान व्यक्तियों के लिए तंत्र शास्त्र में यह विशेष टोटका बताया गया है. एक पान के पत्ते पर थोड़ी सी फिटकरी और सिंदूर लें, इसे अच्छी तरह से बाँध लें. फिर, लगातार तीन बुधवार को शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे जाकर किसी बड़े पत्थर से इसे दबा दें. ध्यान रहे कि यह उपाय करते समय आपको कोई देखे नहीं. यह प्रयोग धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति दिलाता है.

आर्थिक संपन्नता और अटके कार्यों में सफलता- अगर आपके बने बनाए कार्य बार-बार अटक रहे हैं या जीवन में निरंतर कोई समस्या बनी रहती है, तो स्नान के जल में प्रतिदिन थोड़ी सी फिटकरी मिलाकर स्नान करें. यह न केवल नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखता है, बल्कि स्वास्थ्य में भी सुधार करता है और धीरे-धीरे आर्थिक रूप से संपन्नता आती है.

आरोग्य और पारिवारिक शांति के लिए उपाय

रोग और उन्नति के लिए बाथरूम में फिटकरी- फिटकरी के एक टुकड़े को एक कटोरी में रखकर बाथरूम में ऐसी जगह रखें जहाँ बाहरी लोगों की नज़र न पड़े. इस टुकड़े को हर महीने नियमित रूप से बदलते रहें. यह माना जाता है कि फिटकरी बाथरूम की नकारात्मक ऊर्जा को अपने अंदर समाहित कर लेती है, जिससे पारिवारिक सदस्यों की उन्नति होती है, आरोग्य की प्राप्ति होती है और अटके हुए धन की प्राप्ति के योग बनते हैं.

बुरी नजर दोष से मुक्ति- अगर घर में कोई व्यक्ति बुरी नज़र या दोष से पीड़ित है, तो यह उपाय कारगर हो सकता है. पीड़ित व्यक्ति को लिटा दें और फिटकरी के टुकड़ों से सिर से लेकर पैर तक सात बार वार लें (क्लॉकवाइज). ध्यान रहे कि फिटकरी का स्पर्श पैरों के तलवों पर भी अवश्य हो. इसके बाद उस फिटकरी को आग में डाल दें. यह उपाय बुरी नज़र का दोष दूर करता है.

पारिवारिक शांति और प्रेम- पारिवारिक सदस्यों में अक्सर होने वाले लड़ाई-झगड़े या मनमुटाव को खत्म करने के लिए यह आसान उपाय करें. फिटकरी के एक टुकड़े को काले कपड़े में बाँधकर बिस्तर के नीचे रख दें.

सफलता और समृद्धि के लिए विशेष टोटका

कारोबार में समृद्धि और इंटरव्यू में सफलता के लिए यह नवमी-दशमी का उपाय करें- नवमी तिथि के दिन पाँच टुकड़े फिटकरी, एक बेल्ट (कमर में बाँधने वाली) और छह नीले फूल माँ दुर्गा को अर्पित करें. दशमी तिथि को नीले फूलों को बहते जल में प्रवाहित कर दें और बेल्ट किसी कन्या को दान कर दें. फिटकरी के टुकड़ों को संभालकर रख लें. जब आप किसी महत्वपूर्ण कार्य या इंटरव्यू के लिए जा रहे हों, तो ये टुकड़े अपने पास रखें. इससे सफलता अवश्य मिलती है और धन वृद्धि के योग बनते हैं.

करवा चौथ 10 अक्टूबर को रखा जाएगा निर्जला व्रत

जानें शुभ मुहूर्त और चांद निकलने का समय

सुहागिनों का पर्व करवा चौथ हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है. इस दिन महिलाएं दिनभर निर्जला व्रत रखकर शाम को चांद का दीदार करने के बाद ही व्रत खोलती हैं. ये त्योहार खासतौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश में मनाया जाता है. तो चलिए जानते हैं करवा चौथ की तिथि, शुभ मुहूर्त और चांद निकलने का सही समय.

पंचांग के मुताबिक, करवा चौथ का व्रत इस बार 10 अक्टूबर को रखा जाएगा. कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 09 अक्टूबर की रात 10:54 बजे से शुरू होगी और 10 अक्टूबर की शाम 7:38 बजे इसका समापन होगा. करवा चौथ की पूजा करने का शुभ समय सुबह 5:16 बजे से शाम 6:29 बजे तक रहने वाला है. वहीं, चंद्रमा का उदय शाम 7 बजकर 42 मिनट पर होगा.

करवा चौथ पूजा सामग्री- करवा चौथ की पूजा में फूल और चुनरी, कच्चा दूध, दही, घी, शक्कर और मिठाई, अगरबत्ती, दीपक, अक्षत और पीली मिट्टी के अलावा सिंदूर, मेहंदी, बिंदी, चूड़ियां, बिछुए, महावर, कंघी और पूजन थाली जरूर होना चाहिए. इनके बिना करवा चौथ का त्योहार बिल्कुल अधूरा है.

करवा चौथ पूजा विधि

करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखते हुए शाम के समय शुभ मुहूर्त में चौथ माता की पूजा करती हैं. करवा चौथ की रात में जब चंद्रमा निकलता है तो महिलाएं छन्नी में दीया रखकर चांद को देखती हैं और उसकी पूजा करती हैं. इसी छन्नी से महिलाएं अपने पति का चेहरा भी देखती हैं. इसके बाद करवे से जल चढ़ाया जाता है. पूजा के अंत में पति अपनी पत्नी को पानी पिलाकर व्रत खुलवाता है.

क्यों किया जाता है चंद्र पूजन?

ऐसी मान्यता है कि करवा चौथ के दिन चंद्रमा की पूजा करने से अखंड सौभाग्य और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति का आशीर्वाद मिलता है. चंद्रमा की पूजा करने से मन शांत होता है, जिससे पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आती है. द्रिक पंचांग के अनुसार, इस बार करवा चौथ पर चांद निकलने का समय 8 बजकर 12 मिनट बताया जा रहा है.

घर में कहाँ लगाएं फैमिली फोटो

सही दिशा से आती है सुख-शांति, रिश्तों में बढ़ता है प्रेम

हर घर में परिवार के साथ बिताए गए सुनहरे पलों की तस्वीरें होती हैं. ये तस्वीरें न केवल यादों को सहेजती हैं, बल्कि घर के वातावरण में अपनापन और खुशियाँ भी भर देती हैं. हालाँकि, वास्तु शास्त्र कहता है कि तस्वीरों की जगह (दिशा) बेहद अहम होती है. यदि फैमिली फोटो सही दिशा में लगाई जाए, तो घर में प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जबकि गलत जगह लगी तस्वीर रिश्तों में तनाव और नकारात्मकता ला सकती है.

परिवार की तस्वीरों के लिए शुभ दिशा- वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, परिवार की तस्वीर लगाने के लिए सबसे शुभ और मंगलकारी दिशा दक्षिण मानी गई है. यदि दक्षिण दिशा में स्थान न हो, तो पश्चिम दिशा में भी फोटो लगाई जा सकती है.

क्यों दक्षिण दिशा? दक्षिण दिशा पृथ्वी तत्व का प्रतिनिधित्व करती है, जो स्थिरता और टिकाऊपन का प्रतीक है. इस दिशा में तस्वीरें लगाने से पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं और रिश्तों में स्थिरता आती है.

क्या न करें- ध्यान रहे कि उत्तर और पूर्व दिशा में फैमिली फोटोज नहीं लगानी चाहिए. वास्तु के अनुसार, ये दिशाएँ बहते हुए जल या वायु तत्व का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिससे रिश्तों में अस्थिरता और मनमुटाव आ सकता है.

नवविवाहितों और बेडरूम के वास्तु नियम- शादीशुदा जोड़ों को अपनी वेडिंग फोटो बेडरूम में लगानी चाहिए, लेकिन इसके लिए दक्षिण दिशा की दीवार सबसे उत्तम है. यह नियम वैवाहिक जीवन में प्रेम, ऊर्जा और सामंजस्य बनाए रखने में मदद करता है.

फ्रेम और रंग- फोटो को लकड़ी के फ्रेम में लगवाना शुभ माना गया है. तस्वीर का बैकग्राउंड यदि लाल, पीला, नारंगी या मैरून जैसे गर्म और ऊर्जावान रंगों का हो, तो यह वैवाहिक जीवन में उत्साह और सकारात्मकता भर देता है.

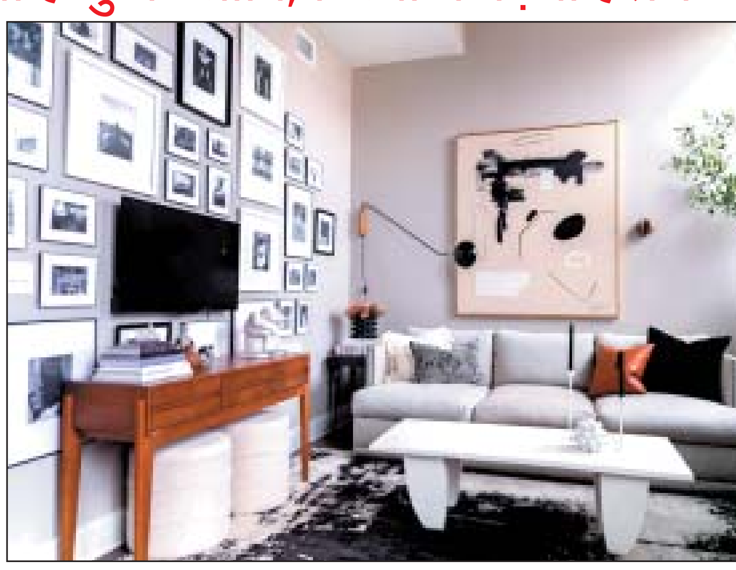

मृत परिजनों की तस्वीरों के लिए स्थान- दिवंगत परिजनों की तस्वीरें बेडरूम या लिविंग रूम में नहीं लगानी चाहिए, क्योंकि उनकी उपस्थिति से कमरे का वातावरण भारी हो सकता है.

सही स्थान- मृत परिजनों की तस्वीरों को घर की उत्तर दिशा वाली दीवार पर लॉबी या ड्राइंग रूम में लगाना चाहिए. उत्तर दिशा में इन्हें लगाने से यह सुनिश्चित होता है कि आप उनका सम्मान कर रहे हैं, लेकिन उनकी ऊर्जा जीवित सदस्यों के मुख्य स्थानों पर हावी नहीं होती.

वर्जित स्थान- घर के मंदिर या पूजा स्थल में मृतक परिजनों की फोटो लगाना वास्तु सम्मत नहीं माना जाता है.

नकारात्मक ऊर्जा वाली तस्वीरों से बचें- घर में तस्वीरें चुनते समय उनके विषय और पृष्ठभूमि पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है.

विषय- ऐसे फोटो न लगाएं जिनके बैकग्राउंड में समुद्र, नदी या बंजर जंगल दिखाई दे. वास्तु में इन्हें नकारात्मक ऊर्जा, अस्थिरता या दुख का प्रतीक माना गया है.

समूह तस्वीरें- परिवार की सामूहिक तस्वीरों में उन सदस्यों की फोटो शामिल नहीं करनी चाहिए, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं. विशेषज्ञों के अनुसार, यह घर के वातावरण को भारी और उदास बना सकती है.

परिवार की फोटो लगाते समय इन छोटे लेकिन महत्वपूर्ण वास्तु नियमों का पालन करने से न केवल घर की साज-सज्जा बेहतर होती है, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच सुख-शांति, अपनापन और सामंजस्य भी स्थायी रूप से बना रहता है.

राशिफल

दिनांक- 05 से 11 अक्टूबर 2025 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित
प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार,
जबलपुर मो.नं.
098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य कन्या राशि में, मंगल तुला राशि में, बुध तुला राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र सिंह राशि में ता. 9 को 11/34 दिन से कन्या राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कुम्भ मीन मेष और वृषभ राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव :- इस सप्ताह तेजी के रियेक्सन आयेगें, देश और दुनिया की विचित्र घटनाओं से शेयर बाजार में उथल-पुथल देखने को मिलेगी. अलसी, ऐरेण्डा, गुड़, बिनौरा, मूंगफली, कपूर, सुगंधित वस्तुओं में अचानक मंदी होगी, रूई चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी होगी, चावल अलसी, सरसों, चना, गेहू में तेजी का संकेत है. ता. 11 को चित्रायां रवि और बुधोदय पश्चिम के प्रभाव से गुड़, खाड़, शक्कर, गेहू, चना, तिल, नारियल, सन, केसर, कपूर, दालवाना में तेजी करेगा अचनाक मंदी के झटके लग सकते है.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

सोमवार	06 अक्टूबर को	व्रत पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा, कोजागरी व्रत
मंगलवार	07 अक्टूबर को	स्नानदान पूर्णिमा, कार्तिक स्नान व्रत नियम प्रारंभ
बुधवार	08 अक्टूबर को	कार्तिक स्नान प्रारंभ
शुक्रवार	10 अक्टूबर को	करवाचौथ व्रत, संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, करक चतुर्थी
शनिवार	11 अक्टूबर को	अहोई अष्टमी (चन्द्रोदय व्यापिनी)

मेष

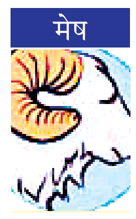

इस सप्ताह आपको नई नौकरी मिल सकती है, व्यापार के सिलसिले में सार्थक यात्रा का योग बन रहा है, आपके करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा, उन पर धन व्यय होगा,बिखरे कार्य समेटने का प्रयास करेंगे, संपत्ति के कार्यो में खर्चहोगा, जानबूझकर की गई गलती की क्षमा मांगने में ही हित रहेगा. सप्ताहान्त में पारिवारिक सुखद योजना पर विचार होगा.

वृषभ

इस सप्ताह आपको उतार चढ़ाव का सामना करना पड़सकता है, कड़ीमेहनत करने पर ही सफ्लता मिलेगी, आप मानसिक अवसाद में रहेंगे, किसी विवाद के चलते आप के मन में नकारात्मक विचार आते रहेंगे,पूज्य व्यक्ति की सलाह एवं अधिनस्थों का सहयोग आपको लाभकारी रहेगा, व्यवसायिक यात्रा में सावधानी रखें, उठाईगीरों से नुकसान हो सकता है.

मिथुन

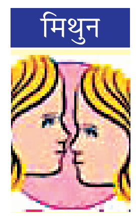

इस सप्ताह प्रतिस्पर्धा के दौर में किस्मत और मेहनत आपको भरपूर लाभ देगा. आपकी मनोकामना पूरी होगी, जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. दाम्पत्य जीवन में तनाव की संभावना है. भाईयों के बीच जमिथुन जायजाद का बटवारा हो सकता है, वाद विवादसे दूर रहें. अटके हुये कार्य पूरे होंगे. व्यापारिक यात्रा के अच्छेपरिणाम मिलेंगे.

कर्क

इस सप्ताह आप खुशी के समाचार सुनेंगे. परिवार की सुख सुविधाओं पर ध्यान दें. आयात निर्यात के बड़े व्यवसाय में लाभ होगा. बेरोजगारों को रोजगार मिलेंगे. प्रापर्टी संबंधी विवाद हल होगा, सप्ताहान्त के अंत में आपके निकटस्थ विरोधी नई मुसीवतों को खड़ी कर सकते हैं, जिसका शुभ एवं शीघ्र समाधान प्राप्त होगा, कामकाजी महिला को परेशानी हो सकती है.

सिंह

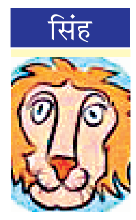

इस सप्ताह आपकी महत्वाकांक्षा चरम सीमा पर रहेगी, अपनी बुद्धिमानी इच्छायशक्ति के लिजये आपको भाग्य पर निर्भर रहना पड़ेगा. अपना विवेक कार्य में लगायें, आप भविष्य की योजना बनायेंगे. महिला जाति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. अचानक लाभ का योग है. यात्रायें आशाजनक रहेंगी, किन्तु उठाईगीरों से सावधानी बांछनीय. रोगी के कार्यो में खर्च होगा.

कन्या

इस सप्ताह आप अत्याधिक खर्च से चिंतित रह सकते हैं, इसके बाद भी आप अपने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में क्रियाशील बने रहेंगे, आपको अधिनस्थ की उपेक्षा का शिकार होना पड़ेगा, दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता रहेगी, नये लोगों से मेलजोल बढ़ेगा. भूमि भवन प्रापर्टी में खर्च होगा, नये कार्यो पर विचार विमर्श होगा. इसके लिये किसी का सहयोग या बैंक से लोन लेना पड़ सकता है.

तुला

इस सप्ताह आपकी जानपहचान और परिचित का दायरा बढ़ेगा. अच्छा हो आप सामाजिक कार्यो की उपयोगिता को ध्यान में रखकर कार्य करें, आप भविष्य की योजनाओं को बना सकते हैं. पैतृक संपत्ति को बेचकर अपना हिस्सा ले सकते हैं, आप अपने निकट परिजनों के साथ दूर की यात्रा कर सकते हैं. आप वित्तीय मामलों में किसी का सहयोग लेंगे.

वृश्चिक

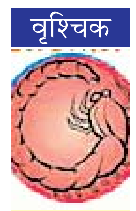

इस सप्ताह हंसी खुशी का वातावरण रहेगा, आपकी आंतरिक उर्जा चरम सीमा पर रहेगी, आप जीवन सुखमयपूर्वक व्यतीत करेंगे, आपकी नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है,पेशेवर लोगों को वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा. जल्द ही किसी बड़ी योजना को हाल में ले जा सकते हैं. अपने व्यवहार और लगन का प्रयोग कर कार्यक्षेत्र में विस्तार कर सकते है.

धनु

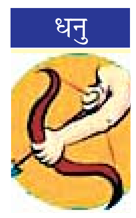

यह सप्ताह इच्छा कामना और आकांक्षाओं का रहेगा, अपने कार्यो के प्रति आप आशावादी बने रहेंगे, कई उतार चढ़ाव आयेंगे, व्यवसायिक फैसला लेने से पहले आप हर पहलू पर विचार करेंगे. घर परिवार में सुख शांति रहेगी. पारिवारिक कार्यक्रमों में धन खर्च होगा. संबंधों के विस्तार पर ध्यान जा सकता है, और लोग प्रसन्न होकर आपसे मिलेंगे.

मकर

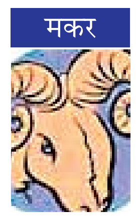

इस सप्ताह आप मुश्किलों का डटकर मुकाबला करेंगे, नौकरी पेशा लोग अपने पद और आमदानी से संतुष्ट रहेंगे, यदि आप रचनात्मक क्षेत्र में हैं, तो और धन की प्राप्ति होगी. जीवनसाथी के साथ आप धार्मिक यात्रा में जा सकते हैं, जमिथुन जायजाद से जुड़े मुकदमें में फैसला आपके पक्ष में होगा, अति आत्म विश्वास से कोई फैसला न लें, कार्यस्थल पर समस्या सुलझ सकती है.

कुम्भ

इस सप्ताह आप जीवन के नये आयाम छुयेंगे, अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप अपनी स्थिति में सुधार करने में सफ्ल रहेंगे, कार्यक्षेत्र मेंआप क्रियाशील रहेंगे. खुले मन मस्तिष्क से समस्या का हल निकालेंगे, आप किसी नये अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, जिससे मान सम्मान में प्रगति होगी. आप जिस पर भरोसा करते हैं, वही आपकी जड़ खोदने का प्रयास करेगा.

मीन

इस सप्ताह स्वास्थ्य में कुछ सुधार होने की आशा है, उधार लेनेदेन से बचने का प्रयास करें, जल्दबाजी में लिये गये निर्णय बदलने पड़ सकते हैं, आयात निर्यात का प्रस्ताव मिलेगा, कामकाजी महिलाओं कोपरेशानी होगी. साझेदारी मेंसंदेह आ जाने के कारण चल रहा कार्य बीच में ही छोड़ना पड़ सकता है, सावधानी बांछनीय, बिना मांगे सलाह देना नुकसानदायक हो सकता है.